

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 03.02.2023 से 05.02.2023 तक बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित "एग्रोटैक किसान मेला - 2023" में श्रीमती अंजना सुचिता तिकी, भा.व.से., उप-वन संरक्षक के नेतृत्व में श्री बी.डी.पंडित, त.अ., श्री सुरज कुमार, व.त.स., श्री करम सिंह मुण्डा, त.स., श्री विभव कुमार ठाकुर, श्री प्रदीप कुमार गुप्ता, त.स. एवं श्री जीतु तिकी, त.स. ने स्टाल लगाकर संस्थान की गतिविधियों एवं उत्पादों का प्रदर्शन किया। सहयोगी संस्था Rocklight एवं बाँस वस्तु हस्तशिल्प महिला समिति डहु, ओरमांझी ने भी क्रमशः बाँस प्रसंस्करण मशीनों तथा घरेलु उपयोग के बाँस उत्पाद का भी प्रदर्शन किया। प्रदर्शन ग्राम कुटाम के किसानों ने केचुआ खाद की प्रदर्शनी के माध्यम से अपने खाद की बिक्री की एवं वन उत्पादकता संस्थान के सहयोग से केचुआ खाद निर्माण के तकनीकी से भी हितधारकों को अवगत कराया।

मेला के प्रथम दिन किसानों, गैर सरकारी संस्थाओं, वन विज्ञान केंद्रों के प्रतिनिधियों, शोधार्थियों को श्री बी.डी.पंडित, श्री करम सिंह मुण्डा एवं श्री जीतु तिकी ने स्टाल में प्रदर्शित पैनलों, शोध कार्यों एवं संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया।

द्वितीय दिन श्री सुरज कुमार, श्री वैभव ठाकुर, प्रदर्शन ग्राम कुटाम के श्री जीतु पाहन, मासी डोडराय, Rocklight के श्री टिंकु कुमार सिंह, बाँस वस्तु हस्तशिल्प की सुश्री सुमित्रा कुमारी ने आगंतुकों से संवाद किया एवं आवश्यक तकनीकी हस्तांतरित किया।

तृतीय दिन श्री बी.डी.पंडित, श्री वैभव कुमार ठाकुर, श्री प्रदीप कुमार ने अन्य संस्थाओं के सहयोग से किसानों एवं इच्छुक लोगों को संस्थान द्वारा विकसित तकनीक संवाद के माध्यम से अवगत कराया। किसानों एवं हितधारकों ने संस्थान द्वारा तैयार Booklets एवं leaflets को काफी पसंद किया। विश्वविद्यालय के दल द्वारा स्टाल का भ्रमण किया गया जिसमें वाह्य पर्यवेक्षक श्री बी.सत्यनारायण, निदेशक, केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान शामिल थे।

संस्थान के प्रदर्शन ग्राम कुटाम के श्री जीतु पाहन एवं श्री मासी डोडराय ने मिलकर 850/- (100+750) रुपये का लौकी पौधा एवं केचुआ खाद की बिक्री की। वही बाँस वस्तु हस्तशिल्प महिला समिति डहु, ओरमांझी द्वारा लगभग 8000-10000 के बाँस उत्पाद की बिक्री की गई।

मेला समिति के निर्णायक मंडल द्वारा वन उत्पादकता संस्थान, रांची को एग्रोटैक किसान मेला में सहभागिता, उत्पाद प्रदर्शन एवं किसानों से उत्कृष्ट संवाद के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस मेला में सक्रिय सहभागिता, संस्थान के निदेशक के निर्देशन एवं विस्तार प्रभाग की श्रीमती अंजना सुचिता तिकी के मार्गदर्शन में श्री बी.डी.पंडित, श्री सुरज कुमार, श्री करम सिंह मुण्डा, श्री वैभव कुमार ठाकुर एवं श्री जीतु तिकी की सराहनीय भूमिका रही।

मेले में संस्थान की भागीदारी की झलकियां



एगोटिक किसान मेला - 2023
विरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची

03.02.2023 से 05.02.2023
 मेले में संस्थान की भागीदारी की झलकियां



भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान, रांची

